डॉ० हरीशकुमार शर्मा

नाम : प्रो. हरीशकुमार शर्मा
पिता का नाम : (स्व.) श्रीकृष्ण शर्मा
माता का नाम : श्रीमती भाग्यवती देवी
जन्मतिथि : एक जुलाई सन् १९७१
शिक्षा : एम.ए. (हिन्दी); बी.एड.; पीएच.डी.
अध्यापन :

१. अंशकालिक शिक्षक; बरेली कॉलेज, बरेली, उ. प्र.; १९९६-९७।
२. तदर्थ प्रवक्ता; साहू जैन कॉलेज, नजीबाबाद, उ. प्र.; १९९८-९९।
३. प्रवक्ता; जे. एन. (गव.) कॉलेज, पासीघाट, अरु. प्रदेश; ०१ नव. १९९९ से २१ दिस. २००६ तक।
४. प्रवक्ता/असिस्टेण्ट प्रोफेसर; डी. पी. गव. कॉलेज, कामकी, अरुणाचल प्रदेश; २२ दिस. २००६ से ३० अक्टूबर, २०११ तक।
५. एसोशिएट प्रोफेसर; डी. पी. गव. कॉलेज, कामकी, अरुणाचल प्रदेश; ०१ नव. २०११ से ३० जुलाई, २०१२ तक।
६. एसोशिएट प्रोफेसर; राजीव गांधी विश्वविद्यालय, दोइमुख (ईटानगर), अरुणाचल प्रदेश; ३१ जुलाई, २०१२ से १४ जुलाई २०१५ तक।
७. प्रोफेसर; राजीव गांधी विश्वविद्यालय, दोइमुख (ईटानगर), अरु. प्रदेश; १५ जुलाई २०१५ से १३ अक्टूबर, २०२० तक।
८. प्रोफेसर, हिन्दी विभाग, सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर, उत्तर प्रदेश; १४ अक्टूबर, २०२० से।

सेवानिवृत्ति की तिथि : ३० जून, २०३३।

सम्मान/पुरस्कार :

१. **सम्मेलन सम्मान;** हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयागराज; १२ मार्च २०१९, ईटानगर.
२. **साहित्य सम्मेलन शताब्दी सम्मान;** बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन, पटना; ६ जून, २०१९; पटना.
३. **श्री मोतीलाल राठी स्मृति सम्मान, २०१८;** साहित्य मण्डल, श्रीनाथद्वारा (राजस्थान); १५ सितम्बर, २०१८,; श्रीनाथद्वारा.
४. **सूर्या अन्तर्भारती भाषा सम्मान-२०१७;** सूर्या संस्थान, नोएडा; २८ मार्च २०१७, आइजॉल (मिजोरम).

प्रशासनिक एवं अन्य दायित्व :

(राजीव गांधी विश्वविद्यालय, दोइमुख, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश)

१. **अध्यक्ष-हिन्दी विभाग;** अगस्त २०१३ से अगस्त २०१६ तक।
२. **भाषा संकायाध्यक्ष;** ६ अक्टूबर, २०१६ से १० अक्टूबर २०१९ तक।
३. **सदस्य-अकादमिक परिषद्** (अकैडमिक कौंसिल), अगस्त २०१३ से अगस्त २०१६ तक तथा मार्च २०१७ से अक्टूबर २०१९ तक।
४. **सदस्य-कार्यकारी परिषद्** (एक्जीक्यूटिव कौंसिल), २०१५ एवं अगस्त २०१८ से अक्टूबर २०१९ तक।

५. **अध्यक्ष-हिन्दी सलाहकार समिति,** १६.०२.२०१५।
६. **सदस्य-राजभाषा कार्यान्वयन समिति,** १७.०५.२०१७ से।
७. **सदस्य-योजना समिति,** २६.१२.२०१६
८. **सदस्य-प्रथम कोर्ट,** १६.०२.२०१४ से १६१७ तक तथा फरवरी २०१७ से फरवरी २०२० तक।
९. **सदस्य-शोध मण्डल;** अगस्त २०१३ से प्रायः अक्टूबर, २०१६ तक।
१०. **अध्यक्ष-स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम समिति,** अगस्त २०१३ से अगस्त २०१६ तक।
११. **अध्यक्ष-स्नातक पाठ्यक्रम समिति,** अगस्त २०१३ से अगस्त २०१६ तक।
१२. **सदस्य सचिव, स्नातक पाठ्यक्रम समिति**, दूरस्थ शिक्षा संस्थान, २०१४-१५।
१३. **सदस्य, स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम समिति,** दूरस्थ शिक्षा संस्थान, २०१२-१३।
१४. **सदस्य, स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम समिति,** अंग्रेजी विभाग, २०१६-१६।
१५. **सदस्य, स्नातकोत्तर हिन्दी पाठ्यक्रम समिति, सिक्किम विश्वविद्यालय, गंगटोक; २०१६ से २०१६ तक।**
१६. **सदस्य, स्नातकोत्तर हिन्दी पाठ्यक्रम समिति, पूर्वोत्तर पर्वतीय विश्वविद्यालय, शिलांग, मेघालय; २०२० से अब तक।**

(सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर, उत्तर प्रदेश)

१. **हिन्दी विभागाध्यक्ष;** २० अक्टूबर, २०२० से।
२. **अधिष्ठाता, छात्र-कल्याण;** अक्टूबर, २०२० से।
३. **अधिष्ठाता, कला संकाय;** २२ मार्च, २०२१ से।
४. **संयोजक, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-२०२० क्रियान्वयन समिति;** २६.११.२०२० से।
५. **शोध निदेशक,** ०६.२०२१ से।
६. **अध्यक्ष- स्नातक एवं स्नातकोत्तर हिन्दी पाठ्यक्रम समिति;** २३.१२.२०२० से।
७. **संयोजक- स्नातकोत्तर हिन्दी पाठ्यक्रम समिति (विश्वविद्यालय परिसर);** १०.१२.२०२० से।
८. **अध्यक्ष- आवास आवंटन समिति;** ०८.१२.२०२० से।
९. **सदस्य- क्रय समिति;** ०६.०१.२०२१ से।

पाठ्य सहगामी गतिविधियां :

(राजीव गांधी विश्वविद्यालय, दोइमुख, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश)

१. सदस्य, दीक्षान्त समारोह कार्यक्रम मुद्रण एवं वितरण समिति, २०१३-१४।
२. संयोजक, साहित्य एवं ललित कला समिति, १०वां युवा महोत्सव, २०१४।
३. सदस्य, अनुशासन समिति, २०१४-१५।
४. सदस्य, रिसेप्शन समिति, १५वां विश्वविद्यालय उत्सव, २०१५-१६।
५. सदस्य, स्टीयरिंग समिति, १४वां दीक्षांत समारोह, २०१६-१७।

(सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर, उत्तर प्रदेश)

१. संयोजक- सांस्कृतिक आयोजन समिति;
२.

शोधकार्य :

१. पी-एच. डी.; म. ज्यो. फुले रुहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली; दिसम्बर २००२ ई.; विषयः **लोक-संस्कृति के परिप्रेक्ष्य में फणीश्वरनाथ 'रेणु' के उपन्यास-साहित्य का परिशीलन**.

पूर्ण शोध परियोजना :

१. **लघु शोध परियोजना**; अनुदानदाता संस्था- यू०जी०सी (पूर्वोत्तर क्षेत्रीय कार्यालय, गुवाहाटी); समयावधि-२००६-२००८ (दो वर्ष); विषय : **सम्पर्क-भाषा के रूप में अरुणाचल प्रदेश में हिन्दी : भूमिका एवं सम्भावनाएं;** अनुदान राशि : ४८००० रुपये.

प्रकाशित कार्य :

पत्रिकाओं में प्रकाशित शोध-पत्र/लेख :

यूजीसी केयर सूची में सम्मिलित पत्रिकाएँ :

१. **सन्तत्व की कसौटी पर तुलसी और कबीर**; अक्षरा (द्वैमासिक पत्रिका); मार्च-अप्रैल, २००८; मध्य प्रदेश राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, भोपाल; पृ०, ३६-४६; यूजीसी संख्या ४१०६३.

२. **राष्ट्रीय स्मृति, संस्कृति और भाषा का सवाल**; अक्षरा; सित०-अक्टू०, २००८; पृ०, १३-१६; यूजीसी संख्या ४१०६३.

३. **संस्कृति का भारतीय परिप्रेक्ष्य**; साहित्य अमृत; मार्च, २००८, पृ. ४४-४७, यूजीसी संख्या ४७०७३.

४. **नवजागरण** और भारतेन्दुमण्डल; अक्षरा; सित०-अक्टू०, २००६; पृ०, ३३-३८; यूजीसी संख्या ४१०६३.

५. **संस्कृति और सभ्यता का भारतीय सन्दर्भ**; साहित्य अमृत; जुलाई, २०१०, पृ. ४४-४७, यूजीसी संख्या ४७०७३.

६. **अरुणाचल में हिन्दी;** अक्षरा (द्वैमासिक पत्रिका); सितम्बर-अक्टूबर, २०१०; मध्य प्रदेश राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, भोपाल; पृ०, ३७-४१; यूजीसी संख्या ४१०६३.

७. **'तुलसी और कबीरः कौन भक्त कौन सन्त'**; भाषा; नवम्बर-दिसम्बर २०१२; केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय, दिल्ली की द्वैमासिक शोध पत्रिका; पृ. ७२-८२; आईएसएसएन- ०५२३-१४१८; यूजीसी संख्या ४१२१६.

८. **अज्ञेय के काव्य में प्रेम और प्रकृति**; भाषा नव.-दिस., २०१३; केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय, दिल्ली की द्वैमासिक शोध पत्रिका; पृ. १३१-१३६; आईएसएसएन- ०५२३-१४१८; यूजीसी संख्या ४०७३८.

९. **राही मासूम रजा का 'आधा गाँव' और पूरा देश;** समकालीन भारतीय साहित्य; वर्ष ३६, अंक १८२, नव.-दिस. २०१५; पृ. १४५-१४६.

१०. **अरुणाचल की लोक संस्कृति;** साहित्य अमृत; प्रभात प्रकाशन, दिल्ली; अगस्त २०१७; पृ ६६-७३; आईएसएसएन-२४५५-११७१, यूजीसी संख्या ४७०७३.

११. **भक्तिकाल का चमकीला अध्याय : रहीम;** अक्षरा (मासिक पत्रिका); जुलाई, २०१६; मध्य प्रदेश राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, भोपाल; पृ०, ३६-४१; यूजीसी संख्या ४१०६३.

१२. **हमारे ऊपर 'देवऋण' की भाँति है राष्ट्रभाषा का दायित्व;** अक्षरा (मासिक पत्रिका); सितम्बर, २०१६; मध्य प्रदेश राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, भोपाल; पृ०, ३४-३७; यूजीसी संख्या ४१०६३.

१३. **शिवपूजन सहाय की अमर कृति : देहाती दुनिया**; हिन्दी अनुशीलन; भारतीय हिन्दी परिषद्, प्रयाग; वर्ष ६०, अंक १; मार्च, २०१८; पृ. २४१-२४८; आईएसएसएन- २२४६-६३०X; यूजीसी संख्या ४७६१३.

१४. **नंगातलाई का गांव;** हिन्दी अनुशीलन; भारतीय हिन्दी परिषद्, प्रयाग; वर्ष ६०, अंक १; मार्च, २०१८; पृ. २४१-२४८; आईएसएसएन-२२४६-६३०X; यूजीसी संख्या ४७६१३.

१५. **लोकगीतों में गांधी;** भाषा; जनवरी-फरवरी २०२१; केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय, दिल्ली की द्वैमासिक शोध पत्रिका; पृ. १२-२२; आईएसएसएन- ०५२३-१४१८;

यूजीसी द्वारा केयर पूर्व अनुमोदित पत्रिकाएँ :

१. **अरुणाचल का होलिकोत्सव : मोपिन**; चौमासा; मार्च-जून २००८; आदिवासी लोककला एवं बोली विकास अकादमी, मध्य प्रदेश संस्कृति परिषद्, बाणगंगा, भोपाल; पृ. १३२-३५; यूजीसी संख्या ४१४२६.

२. **'मैला आंचल' और 'ढोढाईचरितमानस': कुछ तथ्य कुछ सत्य;** पंचशील शोध समीक्षा (त्रैमासिक हिन्दी शोध पत्रिका); अक्टूबर-दिसम्बर, २००६; पंचशील प्रकाशन, जयपुर; पृ०, ४३-४६; आईएसएसएन-०६७५.२५८७; यूजीसी संख्या-४१२४४.

३. **फणीश्वरनाथ 'रेणु' के उपन्यासों में आंचलिकता;** साहित्य-सेतु; जुलाई-सितम्बर, २०१५; आन्ध्र प्रदेश हिन्दी अकादमी की पत्रिका; पृ. ७०-७२; आईएसएसएन- २३४८-६१६३; यूजीसी संख्या ४६१२२.

४. **असमिया समाज, संस्कृति पर श्रीमन्त शंकरदेव का प्रभाव**; अरुण प्रभा; संयुक्तांक (सात-आठ); जन.-दिस., २०१६; राजीव गांधी विश्वविद्यालय, ईटानगर; पृ. १२-१५.

५. **हिन्दी भक्ति-साहित्य : जामैं मारगु प्रेम का;** कला संकाय शोध पत्रिका; २०१७-१८; कला संकाय, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़; पृ. ३१-३६; आईएसएसएन- २३४८-६८५५; यूजीसी संख्या ४१३८१.

६. **पूर्वोत्तर की कविता में देश-राग;** साक्षात्कार; मध्य प्रदेश साहित्य अकादमी, भोपाल; मई, २०१८; आईएसएसएन- २४५६-१६२४; यूजीसी संख्या ४१२२३.

७. **हिन्दी हैं हम... अब नहीं रहेंगे;** अरुणागम; जे. एन. कॉलेज, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश; २०१५-१६; पृ. १३-१८; आईएसएसएन- २३६४-२६६५; यूजीसी संख्या ४१४०६.

८. **राष्ट्रीय विकास में हिन्दी साहित्य की भूमिका**; नयी धारा; अंक- ६६/६-१०; दिस.-जन. २०१६; पृ. १६-२४; आईएसएसएन- २३४८-६७५८; यूजीसी संख्या ४१३२१.

९. **पूर्वोत्तर की हिन्दी कविता और राष्ट्रीयता;** कला संकाय शोध पत्रिका; २०१८-१९; कला संकाय, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़; पृ. ३१-३७; आईएसएसएन-२३४८-६८५५; यूजीसी संख्या-४१३८१.

१०. **पूर्वोत्तर का अन्य संस्कृतियों से सम्बन्ध**; चौमासा; वर्ष-३४, अंक १०८; नवम्बर, २०१८ फरवरी, २०१९; आदिवासी लोककला एवं बोली विकास अकादमी, मध्य प्रदेश संस्कृति परिषद्, भोपाल; पृ. ३४-४०; आईएसएसएन-२२४६-५४७६; यूजीसी संख्या ४१४२६.

११. **हिन्दी दिवस या हिन्दी बस;** साहित्य सेतु (त्रैमासिक पत्रिका); वर्ष : ५, अंक : १६; अप्रैल-जून २०१६; हिन्दी अकादमी, हैदराबाद; पृ. २४-२७; आईएसएसएन-२३४८-६१६३; यूजीसी संख्या ४६१२२.

१२. **लोकगीतों में गांधी जी का चरखा और खादी;** कला संकाय शोध पत्रिका (पीयर रिव्यूड); २०१९-२०; कला संकाय, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़; पृ. ५४-५९; आईएसएसएन-२३४८-९८५५; यूजीसी संख्या-४१३८१.

१३. **महादेवी जी का काव्य और वेदना;** अनुसन्धान; इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज के हिन्दी विभाग की शोध पत्रिका (रेफ्रीड); वर्ष १५, अंक १४; जुलाई-दिसम्बर, २०१९; पृ. १००-१०७; आईएसएसएन-२२४९-९३१८; यूजीसी संख्या-४१३८९.

१४. **हिन्दी भक्ति आन्दोलन : परगट किया कबीर ने;** शब्दार्थ; वर्ष-८, अंक- ३०; अक्टू.-दिस. २०२०; आईएसएसएन-२२७२-१८३२; यूजीसी संख्या-४६९७७.

यूजीसी द्वारा जून, २०१८ से पूर्व अनुमोदित पत्रिकाएँ :

१५. **रामचरितमानसः प्रेम का महाकाव्य**; वीणा (मासिक पत्रिका); अगस्त, १९९९; ११, रवीन्द्रनाथ टैगोर मार्ग, इन्दौर; पृ०, ३७-४३, यूजीसी संख्या ४७९७९.

१६. **अंचल, आंचलिकता, रेणु और उनके उपन्यास**; उत्तर प्रदेश (मासिक पत्रिका); मार्च, २००६; सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, लखनऊ; पृ०, ६-९; यूजीसी संख्या ४०७११.

१७. **कबिरा यह घर प्रेम का**; वर्तमान साहित्य (मासिक पत्रिका); फरवरी, २००७; रामघाट रोड, अलीगढ़; पृ०, ४५-४७; यूजीसी संख्या ४१०३७.

१८. **अरुणाचल की गालो जनजाति का होलिकोत्सव : मोपिन**; समन्वय पूर्वोत्तर (त्रैमासिक पत्रिका); जुलाई-सितम्बर, २००८; केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा (क्षेत्रीय केन्द्र- शिलांग); पृ०, १६९-१७३; आईएसएसएन-२२३१-६१३२. यूजीसी संख्या ४०७०८

१९. **हिन्दी और राष्ट्रीयता**; वीणा; सितम्बर, २००९; पृ०, १५-२०, यूजीसी संख्या ४७९७९.

२०. **निराला के काव्य में बिम्ब-विधान**; अभिनव भारती (अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग की शोध एवं समीक्षा की वार्षिक पत्रिका); २००९-१०; पृ०, २०-२८; आईएसएसएन-२३२१-३२२१; यूजीसी संख्या-४०७३८.

२१. **हिन्दी हैं हम भी;** वर्तमान साहित्य; सित०, २०११; पृ०, ९-१५; यूजीसी संख्या ४१०३७.

२२. **हिन्दी में अकादमीय आलोचना के सूत्रधार : बाबू श्यामसुन्दर दास**; अभिनव भारती; २०११-१२; पृ० ५-९; यूजीसी संख्या ४०७३८.

२३. **अनेक भाषाओं व संस्कृतियों का संगमः** अरुणाचल; भास्वर भारत (अन्तर्राष्ट्रीय मासिक पत्रिका); दिसम्बर २०१२; पृ० ४९-५०; आईएसएसएन-२३२१-२२८४, यूजीसी संख्या ४७७३४.

२४. **अरुणाचल प्रदेश की बोलियां : लिपि का प्रश्न**; समन्वय पूर्वोत्तर; अप्रैल-जून २०१३ पृ०६९-७६; आईएसएसएन-२२३१-६१३२; यूजीसी संख्या ४०८९४.

२५. **अरुणाचल प्रदेश के लोकगीत**; आजकल; जुलाई २०१३; पृ० ३५-३७; आईएसएसएन-०९७१-८४७८; यूजीसी संख्या ४०८९४.

२६. **बलचनमा : कृषक-संस्कृति का प्रतिनिधि पात्र**; अभिनव भारती; अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय की वार्षिक हिन्दी शोध पत्रिका; अंक २०१२-१३; पृ. १०३-१०७; आईएसएसएन- २३२१-३२२१; यूजीसी संख्या ४०७३८.

२७. **गाँधी जी के हिन्दी सम्बन्धी विचार**; अन्तिम जन; गाँधी स्मृति एवं दर्शन समिति, राजघाट, नई दिल्ली की मासिक पत्रिका; सितम्बर २०१३; पृ. ३०-३४; आईएसएसएन-२२७८-१६३३, यूजीसी संख्या ४८०२०.

२८. **भारतीयता और भारतीय साहित्य;** आजकल; मई २०१४; दिल्ली; पृ. ३५-३७; आईएसएसएन-०९७१-८४७८, यूजीसी संख्या ४०८९४.

२९. **रेणु के उपन्यासों में जाति**; अरुण प्रभा; संयुक्तांक जून-दिसम्बर २०१३; राजीव गांधी विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग की अर्द्धवार्षिक शोध पत्रिका; पृ., १३-२१, आईएसएसएन-२३४९-६४४४; यूजीसी संख्या ४०८७४.

३०. **तुलसी-काव्य में भाग्य और कर्म**; अभिनव भारती; २०१३-१४; पृ. ५६-६३; यूजीसी संख्या ४०७३८.

३१. अरुणाचल प्रदेश की जनजातियां : बोलियां और लोकगीत; समवेत; अर्द्धवार्षिक शोध पत्रिका; अंक- जुलाई २०१४; पृ. ४०-४९; आईएसएसएन- २३२१-६१३१, यूजीसी संख्या ४७९६८.

३२. **राही मासूम रजा का 'आधा गांव' और पूरा देश**; अभिनव भारती; २०१४-१५; पृ. ४९-५९; यूजीसी संख्या ४०७३८.

३३. **रामविलास शर्मा और हिन्दी जाति**; अरुण प्रभा : संयुक्तांक (५-६); जनवरी-दिसम्बर, २०१५; पृ. ११-१४; आईएसएसएन- २३४९-६४४४; यूजीसी संख्या ४०८७४.

३४. **अरु**णाचल प्रदेश के विदाई गीत; समवेत; अर्द्धवार्षिक शोध पत्रिका; वर्ष-५, अंक-९; जन.-जून, २०१७; पृ. ३४-४२; आईएसएसएन- २३२१-६१३१, यूजीसी संख्या ४७९६८.

३५. **पाठालोचन : आवश्यकता और सीमा;** संकल्य; हिन्दी अकादमी, हैदराबाद; जुलाई-सितम्बर, २०१७; पृ. ५१-५६; आईएसएसएन- २२७७-९२६४, यूजीसी संख्या ४८२०९.

३६. **अरुणाचल की हिन्दी;** आजकल; सितम्बर, २०१९; प्रकाशन विभाग, कमरा नं. ६०१ डी, सूचना भवन सी. जी. ओ. कॉम्पलेक्स, लोदी रोड, नई दिल्ली; पृ. ४८-५०; आईएसएसएन-०९७१-८४७८, यूजीसी संख्या ४०८९४.

अन्य पत्रिकाएँ :

१. **तुलसी की दृष्टि में नियतिवाद और पुरुषार्थ**; तुलसी मानस भारती (मासिक पत्रिका); मार्च, १९९८; तुलसी मानस प्रतिष्ठान म. प्र., मानस भवन, श्यामला हिल्स, भोपाल; पृ०, ६-११.

२. **श्रीरामचरितमानस में सत्संग-महिमा**; मानस चन्दन (त्रैमासिक पत्रिका); अप्रैल-जून, १९९८; सारस्वत सदन, सिविल लाइन्स, सीतापुर; पृ०,१९-२१.

३. **पदमावत का प्रेमलोक**: एक दृष्टि; अतएव (मासिक पत्रिका); नवम्बर, १९९८; उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ; पृ०, ६-९.

४. **त्याग और प्रेम की भित्ति पर मानस**; मानस चन्दन; अप्रैल, २००५; पृ०, १५-२१.

५. **श्रीरामचरितमानस, धर्म और स्वधर्म** ; हनुमत साधना (छमाही पत्रिका); चिरगाव, झांसी; अक्टूबर, २००५ अंक; पृ०, २८-३१.

६. **शक्ति और सौन्दर्य के कवि निराला**; वही, अप्रैल, २००६ अंक; पृ०, २६-२७.

७. **शिक्षाः जीवन जीने की कला**; इस्पात भाषा भारती; जन०-मार्च, २००६; पृ०, ३-५.

८. **अरुणाचल प्रदेश और हिन्दी;** केन्द्र भारती; सितम्बर २००९; पृ०, ३५-३६.

९. **राष्ट्रीय स्मृति, संस्कृति और भाषा**; इस्पात भाषा भारती; अक्टू०-नव०, २००७; पृ०, ३-६.

१०. **तुलसी और कबीरः पूरक या प्रतिद्वन्द्वी**; तुलसी मानस भारती; नव०, २००७; पृ०, ५-१०.

११. **हिन्दी हिन्द की भाषा है**; इस्पात भाषा भारती; अगस्त-सित०, २००८; पृ०, १८-२०.

१२. **नवजागरण, छायावाद और निराला**; हिन्दी प्रचार वाणी (मासिक पत्रिका); जून, २००६; कर्नाटक महिला हिन्दी सेवा समिति, बेंगलोर; पृ०, ३-५.

१३. **रेणु के उपन्यासों में परिवार**; समन्वय (साहित्यिक अर्द्धवार्षिकी); अखिल भारतीय साहित्य परिषद्, गोरखपुर; अप्रैल, २००६; पृ०, ४५-५४.

१४. **आदी जनजाति का सोलुंग उत्सव**; जनपथ (मासिक पत्रिका); दिसम्बर, २००६ (अरुणाचल विशेषांक); भोजपुर, आरा, बिहार; पृ०, ३५-३८.

१५. **हिन्दी हिन्द की;** मैसूर हिन्दी प्रचार परिषद्-पत्रिका; सित०, २०११; पृ०, २४-२६.

१६. **अरुण यह मधुमय देश हमारा**; नारायणीयम; जुलाई-सितम्बर, २०११; पृ०, २८-३१.

१७. **नवजागरण और भारतेन्दु मण्डल**; नूतन वाग्धारा; अप्रैल-जून २०१०; पृ०, २५-३१; आईएसएसएन-०६७६-०६२.

१८. **हिन्दी हिन्द की भाषा है**, हिन्दी क्षेत्र की नहीं; वाग्प्रवाह; जन०-जून, २०११; पृ०, ४-६; आईएसएसएन-०६७५-५४०३.

१९. **अगुनहिं सगुनहिं नहिं कछु भेदा**; नूतन वाग्धारा; अप्रैल-जून, २०११; पृ०, ५-१०; आईएसएसएन-०६७६-०६२.

२०. **आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और जायसी;** साहित्य भारती (आचार्य रामचन्द्र शुक्ल विशेषांक); उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ; जनवरी-मार्च, २०१८; पृ. १२३-१३५; आईएसएसएन-२४५५-१३०६.

२१. **कथा सतीसर : तटस्थों की अपराध कथा**; साहित्य भारती; उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ; २०१८; पृ. ; आईएसएसएन- २४५५-१३०६.

२२. **पूर्वोत्तर के काव्य में भारत बोध;** साहित्य भारती; उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ; जुलाई-सितम्बर, २०१६; पृ. ४७-५२; आईएसएसएन- २४५५-१३०६.

२३. **हिन्दी और हिन्द के परम हितैषी महात्मा गांधी;** भावक; केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा की त्रैमासिक शोध पत्रिका; खण्ड-२, अंक-१; अक्टूबर-दिसम्बर, २०१६; पृ. ३३-४०; आईएसएसएन- २५८२-२६२४.

२४. **अन्धेर नगरी : युगबोध का दस्तावेज;** साहित्य भारती; उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ; २०१८; पृ. ; आईएसएसएन- २४५५-१३०६.

२५. **पूर्वोत्तर की कविता में देशराग;** प्राग्ज्योतिका; साहित्यिक एवं सांस्कृतिक अध्ययन केन्द्र, दिल्ली पीयर रिव्यूड त्रैमासिक शोध पत्रिका; खण्ड-१, अंक-१; अक्टूबर-दिसम्बर, २०२०; पृ. ३-६.

पुस्तकें :

१. **तुलसी-साहित्य का आधुनिक सन्दर्भ**; साहित्य सहकार प्रकाशन, दिल्ली; आईएसबीएन-९७८-८१-७१४९-१०६-४ (संस्करण २०१२).

२. **भाषा, संस्कृति और साहित्य**; अनंग प्रकाशन, दिल्ली; आईएसबीएन- ९७८-९३-८०८४५-०७-४ (संस्करण २०१२).

३. **फणीश्वरनाथ रेणु के उपन्यासों में लोक-संस्कृति**; जास्मिन पब्लिकेशन, दिल्ली; आईएसबीएन-९७८-८१-९०८६६०-८-८ (संस्करण २०१३).

४. **राष्ट्रीय स्मृति, संस्कृति और भाषा; साहित्य भण्डार, इलाहाबाद;** आईएसबीएन-९७८-८१-७७७९-५२४-० (संस्करण २०१६).

५. **अनिवार्य हिन्दी**; राजीव गांधी विश्वविद्यालय, ईटानगर के दूरस्थ शिक्षा विभाग द्वारा बी०ए प्रथम वर्ष के हिन्दी पाठयक्रम हेतु निर्मित पाठयपुस्तक में सह-सम्पादन.

प्रकाशनार्थ स्वीकृत :

१. राष्ट्रीय अस्मिता और पूर्वोत्तर का साहित्य

२. अरुणाचल की लोककथाएँ (सम्पादन); प्रभात प्रकाशन, दिल्ली.

पुस्तकों में प्रकाशित शोध-पत्र/लेख :

१. **निराला की बिम्ब-योजना**; अमृतपुत्र निराला (महाप्राण निराला जन्मशती स्मृति-ग्रन्थ); सम्पादक- डॉ. भगवानशरण भारद्वाज; प्रकाशक- लोकवाणी प्रकाशन, दिल्ली; पृ. १७२-७६; आईएसबीएन-८१-८६२०१-२८-६.

२. **तुलसी काव्य में सन्त-असन्त विवेचन**; तुलसी पंचशती स्मृति परिजात; सम्पादक- डॉ. भगवानशरण भारद्वाज; योगक्षेम प्रकाशन, बरेली; २००० ई०; पृ. १५८-१६७.

३. **मैला आंचल; विशिष्ट साहित्यिक एवं प्रतियोगी निबन्ध**; सम्पादक- डॉ. भगवानशरण भारद्वाज; नीलकमल प्रकाशन, शाहदरा, दिल्ली (प्रथम संस्करण २००७); पृ. २८५-२६१; आईएसबीएन-८१-८८६६२-२२-८.

४. **गीता में स्वधर्म;** भगवद्गीता, मानव जीवन और साहित्य; सम्पा०- डॉ० भगवानशरण भारद्वाज; नीलकमल प्रकाशन, दिल्ली-बरेली; प्र० सं०, २००६; पृ० ५३-६०; आईएसबीएन-८१-८८-६६२-२६-५.

५. **अरुणाचल प्रदेश का भक्ति-साहित्य;** पूर्वोत्तर का भक्ति साहित्य; सम्पा. डॉ. मन्दाकिनी शर्मा; भारतीय हिन्दी परिषद्, दिल्ली; प्र. सं. २०१६; पृ. ५५-६०; आईएसबीएन-६७८-८१-६४२४६०-१-५.

६. **कवि रहीम और राष्ट्र चेतना;** मुस्लिम साहित्य में राष्ट्रीय संचेतना; प्रत्यूष पब्लिकेशन, दिल्ली; प्र. सं. २०२०; पृ. २-१३; आईएसबीएन-६७८-६३-८२७१-६०-४.

७. **पाठालोचन की आवश्यकता और पाठ सुधार;** पाठालोचन; मधुराक्षर प्रकाशन, फतेहपुर, उ. प्र.; प्र. सं. २०१६; पृ. २२४-२३१; आईएसबीएन-६७८-८१-६२६०६०-७-२.

८. **काम की मंगल-महिमा समझाते निबन्ध;** काली मिट्टी पर पारे की रेखा; सम्पादक; प्रो. नन्द किशोर पाण्डेय तथा डॉ. विनम्रसेन सिंह; लोक भारती प्रकाशन प्रयागराज, दिल्ली, कोलकाता तथा पटना; प्रथम संस्करण-२०२०; पृ. २३०-२३६; आईएसबीएन-६७८.६३-८६७४२-७८-७.

शोध-निर्देशन :

पी-एच. डी. में उपाधि-प्राप्त :

१. सुश्री डूरी शान्ति; **न्यीशी लोकगाथा का समाजशास्त्रीय अनुशीलन;** २८ अक्टूबर, २०१६.

२. श्री तारो सिन्दिक; **तागिन लोक साहित्य का विश्लेषणात्मक अध्ययन;** १६ फरवरी, २०१८.

३. सुश्री आशा सिंह; **नागार्जुन के उपन्यासों में अभिव्यक्त जीवन, जीवन-दर्शन एवं जीवन-मूल्य;** जनवरी, २०२०.

४. श्री विजय कुमार यादव; **अरुणाचल प्रदेश की आदी जनजाति के लोकगीतों का खड़ी बोली के लाकगीतों के साथ तुलनात्मक अध्ययन** (०८.०२.२०२१).

एम.फिल. में उपाधि-प्राप्त :

१. श्रीमती मेडिको मिन्जो; **गोदान में जीवन-मूल्य** (२०११)।

२. सुश्री मुम्ने परमे; **गोदान के आइने में स्त्री** (२०१४)।

३. श्री तोको नैरा; **'शव काटने वाला आदमी' में अभिव्यक्त समाज-संस्कृति का विवेचनपरक अध्ययन** (२०१५)।

४. सुश्री अम्बिका देवी; **हिन्दी की साहित्यिक कृतियों पर आधारित हिन्दी फिल्मों में स्त्री-चेतना।** (२०१६)

४. सुश्री आशा मिमी; **अरुणाचल प्रदेश की ईदु मिश्मी जनजाति के लोक साहित्य में अभिव्यक्त लोक-विश्वास एवं जीवन-मूल्य : एक अनुशीलन।** (२०१६)

५. सुश्री सुश्री बिन्नू लिंगो; **अरुणाचल प्रदेश की गालो तनताति की लोककथाओं का समाज-सांस्कृतिक अध्ययन**; (२०१६)

६. बिमोम लोलेन; जुमसी सिराम कृत 'मातमुर जामोह' उपन्यास का विवेचनपरक अध्ययन। (२०२०)

पीएच.डी. में नामांकित :

१. सुश्री यानम गापक; न्यिशी लोकसाहित्य में स्त्री-संवेदना की अभिव्यक्ति (१२.०६.२०१४).

२. सुश्री अंचला यादव; संजीव के उपन्यासों में आदिवासी स्त्री-जीवन का संघर्ष और परिवर्तन की चुनौतियां (१२.०६.२०१४).

३. बनश्री पर्टिन; समाज-सांस्कृतिक दृष्टि से अरुणाचल प्रदेश की आदी जनजाति के लोकगीतों का भोजपुरी लोकगीतों के साथ तुलनात्मक अध्ययन (२२.०६.२०१४).

४. सरिता कुमारी; हिन्दी की दलित आत्मकथाओं में अभिव्यक्त जातिगत सम्बन्ध : एक अनुशीलन (२३.०६.२०१६).

५. सुश्री प्रियंका सिंह;

एम.फिल. में नामांकित :

१. परिस्मिता डेका; महादेवी वर्मा और नलिनीबाला देवी की कविताओं का तुलनात्मक अध्ययन.

प्रशिक्षण पाठ्यक्रम :

१. ओरिएण्टेशन कार्यक्रम; अकैडमिक स्टाफ कॉलेज, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद; दिनांक- २४.०३.२००३ से १६.०४.२००३ तक।

२. रिफ्रेशर कोर्स;; अकैडमिक स्टाफ कॉलेज, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़; दिनांक- २३.१०.२००७ से १६.११.२००७ तक।

३. रिफ्रेशर कोर्स;; अकैडमिक स्टाफ कॉलेज, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़; दिनांक- १३.०३.२०१२ से ०२.०४.२०१२ तक।

संगोष्ठियों में प्रस्तुत शोध-पत्रः-

अन्तरराष्ट्रीय-

१. **देवनागरी लिपि एवं राष्ट्रीय एकता;** नागरी लिपि परिषद्, नयी दिल्ली द्वारा आयोजित अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन; दिल्ली विश्वविद्यालय, ६-७ फरवरी १६६६।

२. **वैश्विक परिप्रेक्ष्य में हिन्दी;** उपाधि महाविद्यालय, पीलीभीत तथा विश्व हिन्दी मंच, भारत के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा सम्पोषित दो दिवसीय अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी; ६-७ जुलाई, २०१४।

३. **हिन्दी बाल साहित्य : दशा और दिशा;** आकृति एजूकेशनल सोसाइटी, विश्व हिन्दी मंच एवं उपाधि महाविद्यालय, पीलीभीत द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अनुदान से आयोजित दो दिवसीय अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी; दिनांक- २४,२५ अक्टूबर २०१५।

४. **खानखाना एक रामचन्द्र जू के तीर सों (भक्ति-साहित्य और रहीम का काव्य);** केन्द्रीय हिन्दी संथान, आगरा द्वारा **भक्ति साहित्य और सन्त कबीर** विषय पर आयोजित दो दिवसीय अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी; दिनांक- २७-२८ जनवरी, २०१८।

५. **पूर्वोत्तर में भारत-बोध;** हिन्दी विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा **साहित्य में भारत बोध** विषय पर आयोजित दो दिवसीय अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी; दिनांक- २७-२८ मार्च, २०१८।

६. **महात्मा गांधी और राष्ट्रभाषा हिन्दी;** वर्तमान में गांधी-दर्शन की प्रासंगिता और गांधी-दर्शन का भारतीय साहित्य पर प्रभाव; दिनांक १७-१८-१९ फरवरी, २०२०।

राष्ट्रीय-

७. **तुलसी और निराला**; हिन्दी सभा, सीतापुर; २३ फर० १९९७ (५३वाँ वार्षिकोत्सव)।

८. **भारतीय भाषाओं में सांस्कृतिक एकता के सूत्र**; अन्तरराष्ट्रीय कला एवं संस्कृति परिषद् नजीबाबाद, ४ जनवरी १९९९ (ग्यारहवां साहित्यिक कुम्भ).

९. **'मैला आंचल' एवं 'ढोढाईचरितमानस' का तुलनात्मक अध्ययन**; हिन्दी विभाग, राजीव गांधी विश्वविद्यालय, ईटानगर द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी; २०-२१ फरवरी २००६.

१०. **अरुणाचल में हिन्दी**; राष्ट्रीय सर्वभाषा साहित्यकार कुम्भ, अजमेर; १-२ जनवरी, २०११.

११. **अरुणाचल प्रदेश की बोलियांः लिपि का प्रश्न**; नागरी लिपि परिषद्, दिल्ली द्वारा डेरा नातुंग गव० कॉलेज, ईटानगर में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी; २४-२५ सित० २०११.

१२. **अज्ञेय काव्यः प्रेम और प्रकृति**; जे० एन० कॉलेज, पासीघाट द्वारा आयोजित यू० जी० सी० अनुदानित राष्ट्रीय सेमिनार; ११-१२ अक्टू० २०११.

१३. **बलचनमा में कृषि-संस्कृति**; 'नागार्जुन के साहित्य की प्रासंगिकता' विषय पर राजीव गांधी विश्वविद्यालय, ईटानगर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार; २०-२१ अक्टू० २०११.

१४. **अरुणाचल प्रदेश के लोकगीत : स्वरूप एवं संवेदना**; 'पूर्वोत्तर की लोक-सम्पदा : लोक एवं सम्भावनाएं' विषय पर राजीव गांधी विश्वविद्यालय, ईटानगर के हिन्दी विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी; २८-२९ अक्टूबर, २०१२.

१५. **रामविलास शर्मा और उनकी हिन्दी जाति की अवधारणा**; 'डॉ. रामविलास शर्मा का साहित्यः समग्र चिन्तन' विषय पर जे. एन. कॉलेज, पासीघाट द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी; २५-२६ फरवरी, २०१३.

१६. **भारतीयता और भारतीय साहित्य** : अवधारणागत प्रश्न; 'भारतीयता और भारतीय साहित्य' विषय पर राजीव गांधी विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी; २२-२३ अप्रैल, २०१३.

१७. **सामाजिक विज्ञानों में तकनीकी शब्दावली का निर्माण, प्रयोग एवं समस्याएं**; वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, नई दिल्ली द्वारा इसी विषय पर हिन्दी विभाग, राजीव गांधी विश्वविद्यालय, ईटानगर में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी; २१-२२ मार्च, २०१४.

१८. **असमिया समाज-संस्कृति के उद्धारकः भक्त कवि शंकरदेव**; अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ के हिन्दी विभाग द्वारा 'मध्यकालीन हिन्दी साहित्यः अध्ययन की दिशाएं' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी; १२-१३ मार्च, २०१४.

१९. **भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों की सांस्कृतिक एकता में हिन्दी भाषा की भूमिका** ; हिन्दी विभाग, लालुक कॉलेज, लालुक द्वारा यूजीसी प्रायोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी; ४-५ अगस्त, २०१४.

२०. **भक्ति-साहित्य की प्रभाव-व्याप्ति एवं परिधि-विस्तार**; राजीव गांधी विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग द्वारा 'भक्तिकालीन हिन्दी साहित्य : प्रासंगिक प्रश्न' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी; दिनांक- ११-१२ नव., २०१४.

२१. **पूर्वोत्तर की लोककथाओं के सामाजिक-सांस्कृतिक आयाम**; केन्द्रीय हिमालयन संस्कृति शिक्षण संस्थान, दाहुंग, अरुणाचल प्रदेश द्वारा 'पूर्वोत्तर भारतीय संस्कृति : परिधि एवं अन्य आयाम' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी; दिनांक- १६-१८ मार्च, २०१५.

२२. **पूर्वोत्तर की लोककथाएं**; अखिल भारतीय साहित्य परिषद्, नयी दिल्ली द्वारा दिनांक १६-१७ नवम्बर, २०१५ को राजीव गांधी विश्वविद्यालय में 'पूर्वोत्तर भारत का लोक साहित्य' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी।

२३. **अरुणाचल की जनजातियों के विदाई गीतों में अभिव्यक्त स्त्री-संवेदना**; विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं पूर्वोत्तर पर्वतीय विश्वविद्यालय, शिलांग द्वारा 'आदिवासी विमर्श और हिन्दी साहित्य' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी; दिनांक- ११ एवं १२ मार्च, २०१६.

२४. **लोक की अवधारणा और लोक का समन्वयवादी स्वर**; केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा एवं पूर्वोत्तर पर्वतीय विश्वविद्यालय, शिलांग द्वारा 'लोक और लोक का स्वर' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी; दिनांक- १८ एवं १९ मार्च, २०१६.

२५. **वर्तमान में पालि साहित्य की प्रासंगिकता**; उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थानम, पालि कोष्ठक, लखनऊ द्वारा श्री दुग्धेश्वर संस्कृत आदर्श महाविद्यालय, विश्व हिन्दी मंच पीलीभीत के सहकार से आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय पाली सम्मेलन; दिनांक- २२ मार्च, २०१६.

२६. **सामाजिक, सांस्कृतिक एकीकरण और जायसी**; केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा एवं जवाहरलाल नेहरु महाविद्यालय, पासीघाट के संयुक्त तत्त्वावधान में 'सामाजिक, सांस्कृतिक एकीकरण और भक्तिकाल' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी; दिनांक- ३० एवं ३१ मार्च, २०१६.

२७. **पाठालोचन की आवश्यकता और पाठ-सुधार;** जवाहरलाल नेहरू महाविद्यालय, बांदा में केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा के सहयोग से 'पाठालोचन की प्रविधि : समस्याएं और संभावनाएं' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी; दिनांक- १० एवं ११ सितम्बर, २०१६.

२८. **राष्ट्रीय विकास में हिन्दी-साहित्य की भूमिका;** हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग का शिलांग में आयोजित ६९वां अधिवेशन; दिनांक- १९,२० एवं २१ मार्च,२०१७.

२९. **पूर्वोत्तर भारत के हिन्दी साहित्य में राष्ट्रीयता के तत्त्व;** हिन्दी विभाग, मिजोरम विश्वविद्यालय, आइजॉल एवं सूर्या संस्थान, नोएडा के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित त्रिदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी; दिनांक- २७-२९ मार्च, २०१७.

३०. गीता में स्वधर्म : आधुनिक परिप्रेक्ष्य; अखिल भारतीय साहित्य परिषद्, नई दिल्ली द्वारा गीता के विविध भाष्यों में निहित सन्देश विषय पर दिल्ली में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी; दिनांक- २५-२६ मार्च, २०१८.

३१. **पूर्वोत्तर की भाषाएं, संस्कृति एवं साहित्य**; हिन्दी विभाग, राजीव गांधी विश्वविद्यालय, ईटानगर तथा उत्तर प्रदेश भाषा संस्थान, लखनऊ के संयुक्त तत्त्वावधान में 'भाषा, संस्कृति एवं साहित्य के विविध

परिप्रेक्ष्य : सन्दर्भ पूर्वोत्तर भारत' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में विषय प्रस्तावक के रूप में दिया गया व्याख्यान; दिनांक- २८-२९ अगस्त, २०१८.

३२.**अरुणाचल प्रदेश में हिन्दी : वर्तमान परिप्रेक्ष्य में;** उत्तर प्रदेश भाषा संस्थान, लखनऊ तथा साहित्य मण्डल, श्रीनाथद्वारा के संयुक्त तत्त्वावधान में 'हिन्दी भाषा : वर्तमान परिप्रेक्ष्य में' विषय पर श्रीनाथद्वारा में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में में आलेख वाचन; दिनांक-१४,१५एवं १६ सितम्बर, २०१८.

३३. **अरुणाचल की हिन्दी**; हिन्दी विभाग, राजीव गांधी विश्वविद्यालय, ईटानगर, साहित्य अकादमी, दिल्ली तथा केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा के संयुक्त तत्त्वावधान में 'पूर्वोत्तर में हिन्दी' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में विषय प्रस्तावक के रूप में दिया गया व्याख्यान; दिनांक : २४-२५ सितम्बर, २०१८.

३४.**अरुणाचली लोक और उसकी संस्कृति**; हिन्दी विभाग, राजीव गांधी विश्वविद्यालय, ईटानगर तथा भारतीय दार्शनिक अनुसन्धान परिषद्, दिल्ली के संयुक्त तत्त्वावधान में **'पूर्वोत्तर भारत की जनजातियों का दर्शन एवं संस्कृति;** विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में दिया गया व्याख्यान; दिनांक : १५-१६ नवम्बर, २०१८.

३५.**भाषा का संरक्षण एवं समान लिपि का मुद्दा;** पूर्वोत्तर बौद्धिक मंच द्वारा 'अरुणाचल : ज्ञात से अज्ञात' विषय पर ईटानगर में आयोजित दो दिवसीय ज्ञान संगम में दिया गया दिया गया व्याख्यान; दिनांक- २४-२५ नवम्बर, २०१८.

३५ जयनारायण स्नातकोत्तर महाविद्यालय, लखनऊ में 'आधुनिक भारत में राष्ट्रवाद : परिकल्पना एवं चुनौतियां' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन सत्र में विशिष्ट वक्ता के रूप में दिया गया व्याख्यान; दिनांक : २१-२२ दिसम्बर, २०१८.

३६. ज्ञान के उद्देश्य एवं प्रक्रिया; गंगाशील महाविद्यालय, बरेली द्वारा 'ज्ञान-क्षितिज के अनन्त आयाम' विषय पर आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में विषय विशेषज्ञ के रूप में व्याख्यान; दिनांक : ५ फरवरी, २०१९.

३७. हिन्दी एवं पूर्वोत्तर की लोकभाषाओं के तुलनात्मक अध्ययन के आयाम; हिन्दी विभाग, राजीव गांधी विश्वविद्यालय, ईटानगर तथा उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ के संयुक्त तत्त्वावधान में 'पूर्वोत्तर भारत की जनभाषाएं एवं हिन्दी : अन्तःक्रिया एवं अन्तर्सम्बन्ध' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में विषय प्रस्तावक के रूप में दिया गया व्याख्यान; दिनांक- २१-२२ फरवरी, २०१९.

३८. गांधी जी का भाषा-दर्शन; हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयागराज द्वारा राजीव ग्रधी विश्वविद्यालय, ईटानगर में आयोजित ७१ वें वार्षिक अधिवेशन में विशेषज्ञ-वक्ता के रूप में दिया गया व्याख्यान; दिनांक : १०,११ एवं १२ मार्च, २०१९.

३९. **लोककलाएं एवं शिक्षा;** लोककलाएं एवं शिक्षा (पूर्वोत्तर का विशेष सन्दर्भ); १७-१८ अक्टूबर, २०१९; हिन्दी विभाग, राजीव गांधी विश्वविद्यालय, ईटानगर.

४०. **कवि रहीम और राष्ट्र-चेतना;** मुस्लिम कवियों में राष्ट्रीय-चेतना (रहीम रसखान और नजीर अकबराबादी के विशेष सन्दर्भ में); उ. प्र. हिन्दी संस्थान, लखनऊ के संयुक्त तत्त्वावधान में महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली; द्वारा दिनांक ११-१२ जनवरी, २०२० को आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी.

४१. **लोकगीतों में गांधी और गांधी-दर्शन;** वर्तमान में गांधी-दर्शन की प्रासंगिकता; भारतीय दार्शनिक अनुसन्धान परिषद्. दिल्ली तथा हिन्दी विभाग, राजीव गांधी विश्वविद्यालय, ईटानगर; दिनांक १८-१९ फरवरी, २०२०.

<u>विषय-विशेषज्ञ के रूप में दिये गये भाषण :</u>

१. दिनांक ३० सित. से ५ अक्टू. २०१३ तक प्रादेशिक शिक्षा अनुसन्धान और प्रशिक्षण परिषद्, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश द्वारा प्रदेश के अध्यापकों के प्रशिक्षण हेतु आयोजित छह दिवसीय कार्यशाला का संसाधक के रूप में निर्देशन.

२. दिनांक १८ से २१ दिस., २०१३ तक प्रादेशिक शिक्षा अनुसन्धान और प्रशिक्षण परिषद्, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश द्वारा प्रदेश के अध्यापकों के प्रशिक्षण हेतु आयोजित चार दिवसीय कार्यशाला का संसाधक के रूप में निर्देशन.

३. दिनांक १२-१३ मार्च, २०१४ को अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ के हिन्दी विभाग द्वारा 'मध्यकालीन हिन्दी साहित्यः अध्ययन की दिशाएं' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में विशिष्ट अतिथि के रूप में दिया गया व्याख्यान.

४. दिनांक ६-७ जुलाई २०१४ को उपाधि महाविद्यालय, पीलीभीत तथा विश्व हिन्दी मंच, भारत के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा सम्पोषित दो दिवसीय अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में विशिष्ट अतिथि के रूप में दिया गया व्याख्यान.

५. दिनांक ४-५ अगस्त, २०१४ को हिन्दी विभाग, लालुक कॉलेज, लालुक द्वारा 'भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों की सांस्कृतिक एकता में हिन्दी भाषा की भूमिका' विषय पर यूजीसी प्रायोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में संसाधक के रूप में दिया गया व्याख्यान;.

६. दिनांक ०२ अक्टूबर, २०१२ को राजीव गांधी विश्वविद्यालय, ईटानगर के सभा भवन में हिन्दी प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित गांधी जयन्ती के अवसर पर 'महात्मा गांधी के हिन्दी-सम्बन्धी विचारों की प्रासंगिकता' विषय पर दिया गया व्याख्यान.

७. दिनांक १८ फरवरी, २०१३ को राजीव गांधी विश्वविद्यालय, ईटानगर के सभा भवन में हिन्दी प्रकोष्ठ द्वारा विश्वविद्यालय के कर्मचारियों हेतु आयोजित एक दिवसीय हिन्दी प्रशिक्षण कार्यशाला में विषय-विशेषज्ञ के रूप में दिया गया व्याख्यान.

८. दिनांक १४ सितम्बर, २०१३ को कार्यालय महाप्रबन्धक दूरसंचार, बीएसएनएल, ईटानगर द्वारा हिन्दी दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में दिया गया भाषण.

९. दिनांक २० सितम्बर, २०१३ को राजीव गांधी विश्वविद्यालय, ईटानगर के सभा भवन में हिन्दी प्रकोष्ठ द्वारा हिन्दी सप्ताह के समापन समारोह में मुख्य वक्ता के रूप में दिया गया व्याख्यान.

१०. दिनांक १५.९.२०१४ को महालेखाकार का कार्यालय, ईटानगर में आयोजित हिन्दी दिवस समारोह के अवसर पर आमन्त्रित अतिथि के रूप में दिया गया व्याख्यान.

११. दिनांक १७ दिसम्बर, २०१४ को नीपको, याजली द्वारा आयोजित एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में दिया गया व्याख्यान.

१२. दिनांक २३.०२.२०१६ से २५.०२.२०१६ तक प्रादेशिक शिक्षा अनुसन्धान एवं प्रशिक्षण परिषद् द्वारा माध्यमिक शिक्षकों हेतु आयोजित तीन दिवसीय अध्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम में विषय-विशेषज्ञ के रूप में दिये गये व्याख्यान।

१३. **कार्यालयी हिन्दी पत्राचार में कुशलता** विषय पर दिनांक १८ दिस. २०१८ को राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, ईटानगर द्वारा आयोजित कार्यशाला में व्याख्यान.

१४. राजीव गांधी पिश्वविद्यालय, दोइमुख के हिन्दी प्रकोष्ठ द्वारा दिनांक ०३ अप्रैल, २०१९ को **अरुणाचली हिन्दी : स्वरूप एवं सम्भावनाएं** विषय पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में दिया गया बीज वक्तव्य.

वेब संगोष्ठियों/आयोजनों में दिये गये व्याख्यानः

१. **संयोजकः कोविड-१९ का उत्तरकाल : शिक्षा, समाज एवं साहित्य;** दो दिवसीय राष्ट्रीय वेब संगोष्ठी; राजीव गांधी विश्वविद्यालय. ईटानगर; दिनांक १४-१५ मई, २०२०.

२. **हिन्दी साहित्य और सन्त कबीर;** 'सन्त कबीर : समकालीन समाज, दर्शन और साहित्य' विषय पर महात्मा गांधी अन्तरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय, वर्धा द्वारा दिनांक ५ से ७ जून, २०२० को आयोजित हुई राष्ट्रीय वेब संगांष्ठी में दिया गया ऑनलाइन व्याख्यान.

३. **साहित्य और संस्कृति;** 'शिक्षा, साहित्य एवं संस्कृति : जीवन मूल्य' विषय पर अखिल भारतीय साहित्य परिषद् के तत्त्वावधान में जयनारायण विश्वविद्यालय जोधपुर द्वारा दिनांक ६-७ जून, २०२० को आयोजित हुई अन्तरराष्ट्रीय वेब संगोष्ठी में दिया गया ऑनलाइन व्याख्यान.

४. **पूर्वोत्तर भारत की जनजातीय संस्कृति** विषय पर डॉ. अम्बेडकर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, ऊंचाहार में दिनांक २५ जून, २०२० को दिया गया ऑनलाइन व्याख्यान.

५. **भारत की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत : पूर्वोत्तर का विशेष सन्दर्भ;** 'भारत की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत' विषय पर दिनांक २९.०६.२०२० को शासकीय महाविद्यालय, बीसलपुर पीलीभीत में दिया गया ऑनलाइन व्याख्यान।

६. **हिन्दी का आंचलिक कथा साहित्य;** 'हिन्दी कथा साहित्य : परम्परा और प्रगति' विषय पर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, लाहिड़ी, चिरमिरी, छत्तीसगढ़ में आयोजित सात दिवसीय शिक्षक विकास कार्यक्रम में दिनांक ५ अगस्त, २०२० को दिया गया ऑनलाइन व्याख्यान।

७. **लोकगीतों में गांधी;** 'गांधी के विचार और उनकी समकालीन प्रासंगिकता' विषय पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज के एचआरडीसी द्वारा आयोजित अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम में २७ अगस्त, २०२० को दिया गया ऑनलाइन व्याख्यान।

८. **पूर्वोत्तर भारत का कथा साहित्य;** इसी विषय से डेरा नातुंग शासकीय महाविद्यालय, ईटानगर के हिन्दी विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में दिनांक ५ सितम्बर, २०२० को दिया गया ऑनलाइन व्याख्यान।

९. **अरुणाचल प्रदेश का हिन्दी लेखन;** 'पूर्वोत्तर भारत में राजभाषा का प्रभाव' विषय से इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र के क्षेत्रीय कार्यालय गुवाहाटी द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय वेब संगोष्ठी में दिनोक १४ सितम्बर, २०२० को दिया गया ऑनलाइन व्याख्यान।

१०. **फणीश्वरनाथ 'रेणु' की कहानियां;** अखिल भारतीय साहित्य परिषद, काशी प्रान्त द्वारा आयोजित 'फणीश्वरनाथ रेणु व्याख्यानमाला' में दिनांक ०१ अक्टूबर, २०२० को दिया गया ऑनलाइन व्याख्यान।

११. **भारतीय शिक्षण पद्धति : अतीत एवं वर्तमान** विषय पर दिनांक ११ नवम्बर, २०२० को केन्द्रीय विद्यालय, पूर्वोत्तर रेलवे बरेली में दिया गया ऑनपलाइन व्याख्यान।

१२. **रेणु की कहानियाँ;** 'कथाकार फणीश्वरनाथ रेणु' विषय पर उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ द्वारा आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय वेब संगोष्ठी में दिनांक २४ नवम्बर, २०२० को दिया गया ऑनलाइन व्याख्यान।

१३. **पूर्वोत्तर भारत की लोककथाओं के सामाजिक-सांस्कृतिक आयाम;** अखिल भारतीय साहित्य परिषद्, गोरक्षप्रान्त की सिद्धार्थनगर इकाई द्वारा आयोजित 'साहित्य संवाद' नामक वेब व्याख्यानमाला में दिनांक ०६ दिसम्बर, २०२० को दिया गया ऑनलाइन व्याख्यान।

१४. **शोध-प्रबन्ध : उद्धरण, पाद टिप्पणी, सन्दर्भ ग्रन्थ सूची** विषय पर दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग द्वारा शोध प्रविधि पर आयोजित सात दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला में दिनांक ०७ जुलाई, २०२१ को दिया गया ऑनलाइन व्याख्यान।

पुस्तक समीक्षाएँः-

१. **राष्ट्र की चिति का बोध कराती पुस्तकः रामचरितमानस और आधुनिक जीवन की समस्याएँ,** मानस चन्दन।

२. **त्रिशंकु की नियति बतातीं लघुकथाएं;** परिवेश-४८, अप्रैल ०५ से सित० ०५, पृ० ८७ से ८६।

३. **प्यासी लहरों के गीत;** परिवेश-४६, पृ० ७८ से ८०।

४. **हजारीप्रसाद द्विवेदी के निबन्धों का लालित्य-दर्शन,** परिवेश-५६, पृ० ७२ से ७६।

५. **कर्मयोग है कर्मो द्वारा प्रभु की पूजा;** मानस चन्दन (पचपनवाँ पुष्प), अप्रैल जून २००६, पृ० ३६-४०।

६. **देशजता के प्रति अनुराग की कविताएं;** समकालीन भारतीय साहित्य; जन.-फर. २०२०; पृ. १८४-१८६.

अन्यः-

१. कविता, लघुकथा, लेख आदि के रूप में तीन दर्जन से अधिक रचनाएँ प्रकाशित।

२. आकाशवाणी नजीबाबाद, आकाशवाणी बरेली (उ०प्र०) तथा आकाशवाणी पासीघाट (अरु० प्रदेश) से वार्ता, काव्य-पाठ, साक्षात्कार, परिचर्चा आदि के रूप में डेढ़ दर्जन से अधिक कार्यक्रम प्रसारित।

सम्पादन :

१. प्रधान सम्पादक-अरुण प्रभा, २०१३ से २०१६ ।

२. सम्पादक-अरुण प्रभा, २०१६ से ।

३. सम्पादक-अरुणागम, २०१४ से ।

४.

पता :

प्रोफेसर एवं अध्यक्ष-हिन्दी विभाग, सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर, उत्तर प्रदेश-२७२२०२

मो. : ६४३६०५३२७६, ७६८३८०६६६४; ई-मेल : hksgpn@gmail.com